बजरंग बाण

॥ दोहा ॥

निश्चय प्रेम प्रतीति ते, विनय करैं सनमान ।
तेहि के कारज सकल शुभह, सिद्ध करैं हनुमान ॥

जय हनुमन्त सन्त हितकारी, सुनी लीजै प्रभु विनय हमारी ।
जन के काज विलम्ब न कीजै, आतुर दौरि महा सुख दीजै।
जय हनुमन्त सन्त हितकारी ।।

जैसे कूदि सिन्धु के पारा, सुरसा बदन पैठि विस्तारा ।
आगे जाय लंकिनी रोका, मारेहु लात गई सुरलोका ।
जाय विभीषन को सुख दीहना, सीता निरखि परम पद लीन्हा ।
बाग उजारि सिन्धु महं बोरा, अति आतुर जमकातर तोरा ।
जय हनुमन्त सन्त हितकारी।।

अक्षय कुमार मारि संहारा, लूम लपेटी लंक को उजारा ।
लाह समान लंक जरि गई, जय जय धुनि सुरपुर नभ भई ।
अब विलम्ब केहि कारन स्वामी, कृपा करहु उर अन्तर्यामी ।
जय जय लखन प्राण के दाता, आतुर है दु: ख करहु निपाता ।
जय हनुमन्त सन्त हितकारी।।

जय हनुमान जयति बलसागर, सुर समुह समरथ भटनागर।
ॐ हनु हनु हनुमन्त हठीले, बैरिहि मारू बज्र की कीलें ।
ॐ ह्रिं ह्रिं ह्रिं हनुमन्त कपीसा, ॐ हुं हुं हुं हनु अरि उर शीशा ।
जय अंजनी कुमार बलबन्ता, शंकर सुवन वीरहनुमन्ता।
जय हनुमन्त सन्त हितकारी।।

बदन कराल काल कुल घालक, राम सहाय सदा प्रतिपालक ।
भूत, प्रेत, पिशाच निशाचर, अग्नि बेताल काल मारी मर ।
इन्हें मारु, तोहि शपथ राम की, राखउ नाथ मरजाद नाम की।
सत्य होहु हरि शपथ पाईके, राम दूत धरु मारु धाई के ।
जय हनुमन्त सन्त हितकारी।।

जय जय जय हनुमन्त अगाधा, दु: ख पावत जन केहि अपराधा ।
पूजा जप तप नेम अचारा, नहिं जानत कछु दास तुम्हारा ।
वन उपवन मग गिरि गृह माहीं, तुम्हरे बल हम डरपत नाहीं।
जनक सुता हरि दास कंहावो, ताकी शपथ विलम्ब न लावो ।
जय हनुमन्त सन्त हितकारी।।

जय जय जय धुनि होत अकासा, सुमिरत होय दुसह दु: ख नाशा ।
चरन पकरी कर जोरि मनावौं, यहि अवसर अब केहि गोहरावहौं।
उठ उठ चलु तोहि राम दुहाई, पाय परौं कर जोरि मनाई ।

ॐ चं चं चं चं चपल चलंता, ॐ हनु हनु हन हनु हनुमंता ।
जय हनुमन्त सन्त हितकारी।।

ॐ हं हं हांक देत कपि चंचल, ॐ सं सं सहमि पराने खल दल ।
अपने जन को तुरत उबारो, सुमिरत होय आनंद हमारो ।
यह बजरंग बाण जेहि मारै, ताहि कहउ फिर कब न उबारै ।
पाठ करै बजरंग बाण की, हनुमत रक्षा करै प्राणकी ।
यह बजरंग बाण जो जापै, तासौ भूत-प्रेत सब कांपै ।
धूप देय अरु जपै हमेशा, ताके तन नहिं रहै कलेशा ।
जय हनुमन्त सन्त हितकारी।।

॥ दोहा ॥
पुरप्रतीहि दृड सदन है, पाठ करे धर ध्यान ।
वाधा सब हरतरही, सब काम सफल हनुमान।।

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/8787/title/bajrang-baaan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |